नईदुनिया

टायरों की उम्र बढाने का उपाय है हवा का सही प्रैशर रखना

नई दिल्ली

अगर बाइक के टायर की उम्र को बढ़ाना है तो सबसे आसान उपाय टायर में हवा का सही प्रैशर रखना है। अगर आप बाइक के टायर में हवा का सही प्रैशर नहीं रखते हैं तो इससे न सिर्फ टायर की उम्र कम होती है बल्कि बाइक चलाते हुए फिसलने का खतरा भी बढ़ जाता है।

इसके अलावा बाइक की हैंडलिंग पर भी इसका बुरा असर होता है। कम हवा के कारण इंजन को भी ज्यादा क्षमता से काम करना पड़ता है जिसमें ईंधन की खपत भी बढ़ जाती है और बाइक का माइलेज कम हो जाता है। कोशिश करें कि बाइक में कंपनी की जानकारी के मुताबिक ही हवा का प्रैशर रखें। बाइक एक दो पहिया वाहन है और इसे ड्राइवर सहित सिर्फ दो लोगों के लिए बनाया गया है।

अगर आप बाइक पर दो से ज्यादा सवारियों के साथ सफर करते हैं या फिर बाइक पर ज्यादा सामान रखकर चलते हैं तो भी इससे टायर पर बुरा असर होता है। इसलिए कोशिश करें कि बाइक पर क्षमता से ज्यादा सामान या सवारियों के साथ सफर न करें।

बाइक को कभी भी सीधी धूप में पार्क नहीं करना चाहिए। इससे न सिर्फ पेंट को नुकसान पहुंचता है बल्कि इससे टायर भी जल्दी खराब हो जाते हैं। बाइक के टायर की उम्र को बढ़ाने के लिए कोशिश करनी चाहिए कि जब भी बाइक को पार्क करें हमेशा छायादार जगह या कवर्ड पार्किंग में पार्क करें।

इससे टायर पर सीधी धूप नहीं पड़ेगी और टायर की रबर जल्दी सूखेगी नहीं, जिससे इनकी उम्र बढ़ जाएगी। युवाओं को बाइक चलाने का काफी शौक होता है। कई युवा बाइक्स को तेज स्पीड में चलाने के साथ ही स्किड करवाते हैं। ऐसा करने से भी रबर काफी जल्दी घिसने लगती है।

वहीं ऐसा करने से हादसा होने का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए कोशिश करें कि बाइक को तय लिमिट के अंदर ही चलाएं और स्किड करने की कोशिश न करें।

कार की तरह बाइक के टायर की उम्र को बढ़ाने का आसान उपाय इनकी अलाइनमेंट का ध्यान रखना है। अगर आप समय पर बाइक के पहियों का अलाइनमेंट करवाते हैं तो भी टायर की उम्र को आसानी से बढ़ाया जा सकता है। बता दें कि भारत में रोजाना बड़ी संख्या में लोग बाइक का उपयोग एक जगह से दूसरी जगह आने जाने के लिए करते हैं।

इन मामूली लेकिन महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखकर बाइक के टायर्स की उम्र को आसानी से बढ़ाया जा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका के बाद अब चीन करेगा राहत पैकेज की घोषणा, दबाव में आ सकता है भारत का शेयर बाजार

मुंबई। अमेरिका के बाद अब चीन ने भारत के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। फेडरल रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में कटौती की है, जो अमेरिका में महंगाई को नियंत्रित करने के लिए किया गया है। चीन में नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की बैठक अब समाप्त होने वाली है और राहत पैकेज का ऐलान हो सकता है। चीन की ओर से 10 लाख करोड़ रुपए के और राहत पैकेज की संभावना है। यह कदम भारत के लिए बड़ी चुनौती बना सकता है और शेयर बाजार दबाव में आ सकता है। विदेशी निवेशक चीन की ओर बढ़ सकते हैं और भारतीय शेयर बाजार को नुकसान हो सकता है। पिछले महीने विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से बड़ी राशि निकाली थी, जिससे उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। अमेरिका में ब्याज दर कम होने से वैश्विक शेयर बाजार में तेजी आई है, जो भारत के शेयर बाजार को भी प्रभावित कर सकता है। इस संदर्भ में भारतीय रिजर्व बैंक भी रेपो रेट में कटौती करने का विचार कर सकता है। इस तरह की कटौती से भारतीय अर्थव्यवस्था को भी तरक्की मिल सकती है।

एफएसएसएआई ने अधिकारियों से कहा- ई-कॉमर्स कंपनियों के गोदामों में निगरानी बढ़ाएं

नई दिल्ली। खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने सरकारी अधिकारियों से ई-कॉमर्स कंपनियों के गोदामों की निगरानी बढ़ाने और उपभोक्ताओं तक सुरक्षित भोजन पहुंचाने के लिए आपूर्ति कर्मचारियों के बारे में मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी करने को कहा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की 45वीं केंद्रीय सलाहकार समिति (सीएसी) की बैठक में यह निर्देश दिया गया। इस बैठक में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से नवंबर से मार्च तक के मुख्य पर्यटन सत्र की तैयारी में उच्च सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने के लिए लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर निगरानी बढाने का आग्रह किया गया। लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय सैलानियों की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को वहां फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स मोबाइल लैब का उपयोग करने की सलाह दी गई। उन्होंने विभिन्न राज्यों के खाद्य आयुक्तों से ई-कॉमर्स मंचों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले गोदामों और अन्य सुविधाओं पर निगरानी बढ़ाने को कहा।

आईआरबी इंफ्रा का टोल राजस्व संग्रह अक्टूबर में बढ़कर 540 करोड़ हुआ, आईआरबी ने बताया कि उनके 17 टोलों में सर्वाधिक राजस्व महाराष्ट्र में हुआ

नई दिल्ली। आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर ने अपने टोल संग्रह में अक्टूबर माह में वृद्धि की जानकारी दी और बताया कि इसे पिछले वर्ष की तुलना में 21 प्रतिशत बढ़कर 539.6 करोड़ रुपये हो गया है। यह एक पॉजिटिव संकेत है कि कंपनी अपनी दिशा में मजबूत बनी जा रही है। आईआरबी ने बताया कि उनके 17 टोलों में सर्वाधिक राजस्व महाराष्ट्र में हुआ है, जहां आईआरबी एमपी एक्सप्रेसवे ने 142.6 करोड़ रुपये का संग्रह किया। इसके बाद आईआरबी अहमदाबाद वडोदरा सुपर एक्सप्रेस टोलवे ने 66.2 करोड़ रुपये का योगदान दिया। कंपनी ने इस योजना में सीजी टोलवे से 32.7 करोड़ रुपये संकलित किए हैं। आईआरबी इन्फ्रास्ट्रक्चर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें इस तरीके के रुझान से बड़ी उम्मीदें हैं और वे उम्मीद कर रहे हैं कि यात्रियों की संख्या में आगे भी वृद्धि होगी।

मांग में कमी और वैश्विक दबाव के कारण सोने-चांदी में गिरावट, ट्रंप की जीत से बदला गोल्ड मार्केट का रुझान

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में जबरदस्त कमजोरी नजर आ रही है। सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं ने जोरदार गिरावट के साथ कारोबार की शुरुआत की है। सोना की कीमत में 1,800 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की और चांदी की कीमत में 3,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट आ गई है। इसके पहले सर्राफा बाजार में इतनी तेज गिरावट आम बजट में आए सोने पर इंपोर्ट ड्यूटी को घटाने के बाद देखी गई थी। माना जा रहा है कि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद सोने की मांग में कमी होने की आशंका बन गई है, जिसकी वजह से वैश्विक दबाव में सोना और चांदी के भाव में गिरावट आ गई है।

मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद सेफ इन्वेस्टमेंट की जगह निवेशक ज्यादा जोखिम वाले निवेश की ओर आकर्षित हुए हैं। खासकर निवेशकों ने बिटकॉइन जैसी बड़ी क्रिप्टो करेंसी में कैपिटल फ्लो बढ़ा दिया है। इसकी वजह से बिटकॉइन जहां ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंचकर ट्रेड कर रहा है, वहीं सोने की मांग में अचानक गिरावट आ गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सेंटीमेंट कमजोर होने के कारण सोने की आयात पर निर्भर करने वाले भारत जैसे कई देशों के बुलियन मार्केट में भी सोना कमजोर हुआ है। मार्केट सेंटीमेंट कमजोर होने और ज्वेलरी सेक्टर में मांग में आई गिरावट के कारण भी सोने पर दबाव की स्थिति बन गई है।

बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन के अनुसार दिवाली के बाद ज्यादातर सर्राफा बाजारों में हाजिर सोने की मांग में गिरावट आई है। ये गिरावट शादी का सीजन शुरू होने तक जारी रह सकती है। शादी का सीजन शुरू होने के बाद भारतीय सर्राफा बाजारों में सोने चांदी की मांग में एक बार फिर तेजी आने की उम्मीद है, लेकिन यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत पर दबाव बना रहा, तो भारत में भी खरीदारों को राहत मिल सकती है।

इसी तरह जगदंबा सिक्योरिटीज एंड कमोडिटीज सर्विसेज के सीईओ नमन अग्रवाल के अनुसार धनतेरस और दिवाली का त्योहार बीतने के बाद सिक्का निर्माताओं की ओर से भी मांग में कमी आई है। इसके साथ ही ज्वेलरी सेक्टर में भी खरीदारी घटी है। वेडिंग सीजन के लिए बड़ी संख्या में लोगों ने पहले से ही बुकिंग कर रखी है। इसलिए शादी ब्याह के दौरान भी मांग में बहुत अधिक तेजी आने की संभावना काफी कम है। इसी तरह चांदी की मांग में भी लगातार कमी आई है। खासकर, इंडस्ट्रियल डिमांड में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। यही वजह है कि कुछ दिन पहले एक लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर को पार कर जाने वाली चांदी लुढ़क कर 93 हजार रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर से भी नीचे आ गई है।

जानकारों का कहना है कि भारत में सोने और चांदी की कीमत में पिछले कुछ समय से जारी रिकॉर्ड तोड़ तेजी की सबसे बड़ी वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी मांग में जोरदार बढ़ोतरी होना रहा है। मिडिल ईस्ट के तनाव और अमेरिक में बनी राजनीतिक अनिश्चितता के कारण निवेशकों पिछले कुछ समय से सेफ इनवेस्टमेंट के रूप में सोना और चांदी में ही निवेश कर रहे थे, जिसकी वजह से 30 अक्टूबर को कॉमेक्स पर सोना 2,802 डॉलर प्रति ऑन्स के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया था, वहीं चांदी की कीमत भी 38 डॉलर के स्तर के ऊपर पहुंच गई थी, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। नमन अग्रवाल का कहना है कि अमेरिका के चुनाव परिणामों में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद राजनीतिक अनिश्चितता खत्म हो गई है, जिसकी वजह से निवेशकों ने सेफ इनवेस्टमेंट का रास्ता छोड़कर रिस्क लेना शुरू कर दिया है। इसीलिए दो दिन में ही बिटकॉइन जैसी क्रिप्टो करेंसी रिकॉर्ड 76,300 डॉलर के स्तर से भी ऊपर चली गई, वहीं सोना और चांदी गिरावट का शिकार हो गए। इन दो दिनों ही सोना 2,680 डॉलर प्रति ऑन्स के स्तर के करीब पहुंच गया है। इसी तरह चांदी के भाव में भी 38 डॉलर प्रति ऑन्स से फिसल कर 31 डॉलर प्रति ऑन्स से भी नीचे आ गए हैं। अगर अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में अधिक परिवर्तन नहीं हुआ तो सोने चांदी में गिरावट का सिलसिला कुछ और समय तक जारी रह सकता है। लेकिन अगर ईरान और इजरायल के बीच एक बार फिर हमले का दौर शुरू हुआ तो निवेशक दोबारा गोल्ड मार्केट की ओर लौट सकते हैं, जिससे इन दोनों चमकीली धातुओं में एक बार फिर तेजी आ सकती है।

इमामी का तिमाही मुनाफा 19 प्रतिशत बढ़ा, पिछले वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले 19 प्रतिशत ज्यादा

नई दिल्ली

एफएमसीजी कंपनी इमामी लिमिटेड ने दूसरी तिमाही में अपने शानदार नतीजे जारी किए हैं। उसके चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले 19 प्रतिशत बढ़कर 213 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। इससे कंपनी ने उत्कृष्ट कार्यक्षमता का प्रदर्शन किया है।

कंपनी के निदेशक मंडल ने जारी बयान में बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही में भी एफएमसीजी कंपनी ने अच्छे नतीजे प्राप्त किए हैं। उसके शुद्ध मुनाफे में 19 प्रतिशत का इजाफा हुआ और यह बढ़कर 213 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। अधिकारियों का कहना है कि इस अवधि में परिचालन से उसका राजस्व तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 891 करोड़ रुपए हो गया है। इस बड़े वृद्धि के पीछे उसके प्रोडक्ट लाइन का विस्तार और क्वालिटी निरंतरता में सुधारों का होना बड़ी भूमिका निभाई है।

एफएमसीजी कंपनी के प्रतिपादन में बड़ी वृद्धि आई है जिससे कारोबार में नया उत्साह दिखा है। यह नतीजे कंपनी के भविष्य के लिए उम्मीदवारी को मजबूत करने में मददगार साबित हो सकते हैं और उसके विनिवेशकों को भी आत्मविश्वास दिलाने में सहायक हो सकते हैं।

जीडीपी आंकड़ों को जारी करने का समय अब शाम चार बजे हुआ

नई दिल्ली

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने जारी किए गए अपने आर्थिक आंकड़ों में बदलाव की घोषणा की है। शुक्रवार को घरेलू उत्पाद का अनुमान प्रकाशित करने के समय को चार बजे कर दिया गया है, जो कि पहले की साढ़े पांच बजे का समय था। मंत्रालय ने यह निर्णय लिया है कि जीडीपी आंकड़ों के प्रकाशन में और अधिक पारदर्शिता और सुगमता लाने के लिए होने बाले बंद होने वाले बाजारों के समय के अनुरूप हो।

यह सुनिश्चित करेगा कि जीडीपी आंकड़ों का प्रकाशन किसी भी कारोबार में बाधा न डाले। इस नए समय सुनिश्चित करने के लिए गुरुवार को वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही जुलाई-सितंबर के लिए जीडीपी अनुमानों की प्रेस विज्ञप्ति 29 नवंबर 2024 को शाम चार बजे जारी की जाएगी। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि यह विशेष घोषणा संवेदनशीलता और पारदर्शिता में सुधार करेगा। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने इसी माह में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) की जानकारी भी जारी की है। इस तरह के सुधार भारतीय वित्तीय बाजारों के प्रति आपूर्ति समय की वृद्धि करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, जेट एयरवेज के निवेशकों को लगा बड़ा झटका

डूब जाएगा 1.43 लाख निवेशकों का पैसा, साढ़े 5 साल से बंधी थी उम्मीद

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को जेट एयरवेज की पुनरुद्धार योजना को खारिज कर दिया और कंपनी के परिसमापन का आदेश जारी किया। यह फैसला 1.43 लाख निवेशकों के लिए बड़ा झटका है, जिनके पैसे अब डूबने का खतरा है। ये निवेशक पिछले साढ़े पांच साल से कंपनी के पुनरुद्धार की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद उनके पैसे पूरी तरह डूबने की संभावना जताई गई है। कोर्ट ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) के फैसले को पलट दिया और निर्देश दिया कि जेट एयरवेज की संपत्ति बेची जाए और उसके लेनदारों को भुगतान किया जाए। इसके अतिरिक्त, अदालत ने कालरॉक कंसोर्टियम की पुनरुद्धार योजना को खारिज कर दिया क्योंकि कंसोर्टियम ने अब तक कंपनी में कोई फंड नहीं लगाया था। इस निर्णय के बाद जेट एयरवेज के शेयरों में भारी गिरावट देखी गई, स्टॉक करीब 5 फीसदी गिरकर 34 रुपये पर बंद हुआ। 2 लाख रुपये से कम निवेश वाले निवेशकों में, जिनकी संख्या लगभग 1.43 लाख है, उनका कुल निवेश लगभग 19.29 फीसदी है। विशेषज्ञों का मानना है कि अब उनके निवेश के पूरी तरह डूब जाने का जोखिम बढ़ गया है। जेट एयरवेज के विमान अप्रैल 2019 से ही उड़ान नहीं भर रहे हैं, और तब से कंपनी के पुनर्गठन के प्रयास अधर में लटके हुए हैं। आखिरी उम्मीद कलरॉक कंसोर्टियम पर टिकी थी, जिसने अपनी पुनरुद्धार योजना में सार्वजनिक शेयरधारिता को 0.21 फीसदी कम करने का प्रस्ताव रखा था। इसका मतलब सार्वजनिक शेयरधारकों के लिए बाजार मूल्य का अंत होता, लेकिन वे अपना पैसा वापस पाने की उम्मीद कर रहे थे। अब, सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद, जेट एयरवेज के शेयरों को एक्सचेंज से हटा दिए जाने का जोखिम है, जैसा कि पहले डीएचएफएल के साथ हुआ था।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने का असर ग्लोबल मार्केट पर साफ-साफ नजर आ रहा है। ब्याज दरों में कटौती की बात से उत्साहित अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी बनी रही। हालांकि आखिरी वक्त में हुई बिकवाली के कारण यूरोपीय बाजार मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने पहले दिए गए संकेत के मुताबिक ही ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर दी। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी ने बयान जारी करके कहा कि रोजगार और महंगाई लक्ष्यों को प्राप्त करने के जोखिम लगभग संतुलन में हैं। कमेटी अपने ड्यूल मैंडेट के दोनों पक्षों के जोखिमों को लेकर चौकस है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के इस फैसले का बाजार पर सकारात्मक असर पड़ा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांकों में तेजी आ गई। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.74 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,973.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 285.89 अंक यानी 1.51 प्रतिशत उछल कर 19,269.36 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 43,763.34 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान तेजी के साथ कारोबार करने के बाद अंत में हुई बिकवाली की वजह से मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,140.74 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.75 प्रतिशत उछल कर 7,425.60 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 323.21 अंक यानी 1.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,362.52 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में भी मिलाजुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,261 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.38 प्रतिशत लुढ़क कर 1,464.08 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स अभी तक के कारोबार में 185.70 अंक यानी 0.89 प्रतिशत की गिरावट के साथ 20,767.64 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.50 प्रतिशत फिसल कर 3,453.24 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 0.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ 39,478.57 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 147.18 अंक यानी 0.63 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,556 अंक के स्तर पर बना हुआ है। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 1.56 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,730.94 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.88 प्रतिशत उछल कर 7,307.46 अंक के स्तर पर और कोस्पी इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 2,565.38 अंक के स्तर पर कारोबार करते नजर आ रहे हैं।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल- 462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01,-03, फैक्स नं.- 0755-2553914 e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) रजिस्टर्ड नं.म.प्र./296/भोपाल/2012-2014 आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, डाक पंजीयन क्र. म.प्र./भोपाल/296/2015-2017